B.Ed. Ist year

Teaching of Social Science

V.V. Imp

Topic :- शिक्षण कौशल

Teaching Skill

शिक्षण की प्रक्रिया का अनुसरण करने तथा उन्हे नये-2 तरीको से कराना शिक्षण कौशल कहलाते है। जो निम्नलिखित है।

1 प्रस्तावना (Set-Induction)

इस शिक्षण कौशल का अर्थ है पाठ की प्रस्तावना करना। इस कौशल के अन्तर्गत पूर्व ज्ञान को वर्तमान ज्ञान से सम्बन्ध करना होता है। इसे प्रस्तावना-कौशल भी कहा जाता है।

2 उद्दीपन भिन्नता (Stimulus Variation)

इस कौशल से अभिप्राय है, शिक्षक द्वारा अपने हाव-भाव और अपनी स्थितियो को बदलना। शिक्षण प्रक्रिया मे शिक्षक यदि अपने हाव-भावो या स्थितियो मे भिन्नता नही लाता तो शिक्षण-कार्य असुचिकर तथा नीरस हो जाता है। अत: शिक्षक को हाव भाव बदलने के कौशल का प्रशिक्षण देना भी अनिवार्य होता है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

3 खोजपूर्ण प्रश्न पूछना (Probing Question)

इस कौशल का सम्बन्ध विषय-वस्तु के बारे में अधिक गहराई से पूछे जाने वाले प्रश्नों से सम्बन्धित है। इससे जिज्ञासा का ज्ञानात्मक विकास होता है।

4 दृष्टान्त (Illustration)

शिक्षण की दो विधियाँ होती है, — निरन्तर व्याख्यान विधि तथा प्रदर्शन विधि। छात्र अध्यापक, संप्रत्ययों को उदाहरणों, चित्रों को बनाकर तथा चार्ट आदि दिखाकर समझाना चाहिए। यही दृष्टान्त कौशल कहलाता है।

5 समाप्ति (closure)

इस शिक्षण कौशल का अर्थ है — किसी कार्य को समाप्त करना, अर्थात कक्षा में छात्र-अध्यापक कई प्रकार के व्यवहार करता है और यदि हम इन व्यवहारों को अलग-2 इकाइयों में बाँट दें तो उन्हें कौशल कहते है। जब छात्र-अध्यापक व्याख्यान देता है तथा उस व्याख्यान को आकर्षक तथा उचित ढंग से समाप्त करता है तो इसे समापन-कौशल का नाम दिया जाता है।

6 व्याख्यान (Lecture)

इस कौशल का सम्बन्ध पाठ्य वस्तु के प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण से है। इस कौशल द्वारा शिक्षक विभिन्न प्रविधियों और प्रक्रियाओं का प्रयोग करके अपना प्रभाव डालता है। कई बार इसे सम्प्रेषण कौशल भी कहा जाता है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

3 व्याख्या कौशल (Skill of Explaining)

उपर्युक्त सूचना प्रणाली या कथनों को जोड़ने वाले शब्दों या कड़ियों का प्रयोग करना है। अर्थात जब किसी तथ्य, सिद्धान्त एवं सम्प्रत्यय के क्या, क्यों तथा कैसे को विद्यार्थियों को समझाना हो तो, समझाते समय शिक्षक जो व्यवहार करता है। वही व्यवहार "व्याख्या कौशल" कहलाता है।

4 श्यामपट का उपयोग (use of Black-Board)

कक्षा में श्यामपट का प्रयोग अति आवश्यक है। इसके प्रयोग का भी विशेष प्रशिक्षण होता है। श्यामपट कौशल के लिए लिखावट की स्पष्टता, स्वच्छता तथा श्यामपट कार्य का औचित्य आदि आवश्यक घटक होते हैं।

5 दृश्य-श्रव्य सहायक सामग्री का प्रयोग (Use of A.V. Aids)

शिक्षण कार्य को आकर्षक और प्रभावी बनाने के लिए दृश्य-श्रव्य सहायक सामग्री का प्रयोग आवश्यक है। इसके प्रयोग के लिए भी कौशल (Skill) की आवश्यकता होती है। अतः इस प्रकार की सामग्री के प्रयोग का प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए वांछित है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

10. कक्षा व्यवस्था का कौशल
Skill for class Management

कक्षा शिक्षण मे अधिगम के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए विभिन्न क्रियाएं की जाती है। इन क्रियाओं मे सामाजिक और भौतिक क्रियाएं सम्मिलित है। इन क्रियाओ द्वारा कक्षा की व्यवस्था की जाती है। इसे कक्षा व्यवस्था का कौशल कहते है।

11 विद्यार्थी की प्रतिभागिता की वृद्धि
(Increasing Pupil Participation)

इस कौशल का सम्बन्ध शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभागिता मे वृद्धि करने से है। विद्यार्थी प्रतिभागिता से तात्पर्य है – विद्यार्थियो का निरीक्षण-योग्य प्रत्यक्ष व्यवहार। इसमे विद्यार्थियो की अनुक्रियाएं, प्रतिक्रियाएँ तथा अपनी ओर से की गई क्रियाएं शामिल है।

12. छात्र व्यवहार का संज्ञान
Recognizing and Attending Behaviours

विद्यार्थियो के व्यवहार के आधार पर शिक्षक अपनी क्रियाओ का चयन करता है। शिक्षक यह भी तय करता है कि कौन-2 सी क्रियाएं वांछित होगी और कौन-2 सी अवांछित।

Thankyou

By
Mr. Parveen Raj
Assis. Prof.
B.R.C. Deoband (SRE)

Scanned with CamScanner